राजनीति विज्ञान

बी.ए.2 ईयर के छात्रों के लिए

प्रथम प्रश्न पत्र : पाश्चात्य राजनीतिक चिंतक

“प्लेटो का संपत्ति और पत्नियों का साम्यवाद”

चरैवेति चरैवेति

महात्मा ज्योतिबा फुले
रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

प्रस्तुतकर्ता –
डॉ. नरेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान
राजकीय महाविद्यालय भोजपुर, मुरादाबाद

घोषणा पत्र

यह सामग्री विशेष रूप से शिक्षण और सीखने को बढ़ाने के शैक्षणिक उधेशयों के लिए है। आर्थिक/वाणिज्यिक अथवा किसी अन्य उद्देशय के लिए इसका उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है। सामग्री के उपयोगार्थ इसे किसी और के साथ वितरित, प्रसारित या साझा नहीं करंगे और इसका व्यतिगत ज्ञान कि उन्नति के लिए ही प्रयोग करेंगे। इस ए-कंटेन्ट में जो जानकारी दी गई है वह प्रमाणित है और मेरे ज्ञान के अनुसार सर्वोत्तम है।

३ . संपत्ति और पत्नियों का साम्यवाद

प्लेटो ने संरक्षक वर्ग को, अर्थात् शासक और सहायक वर्ग को भ्रष्टाचार से मुक्त रखने के उद्देश्य से उनके लिए एक विशेष जीवन-पद्धति की व्यवस्था की है, जिसे सम्पत्ति और पत्नियों का साम्यवाद कहा जाता है ।

प्लेटो का कहना था कि न्याय तभी लाया जा सकता है यदि संरक्षक संपत्ति न रखें क्योंकि संपत्ति एक प्रकार की भूख का प्रतिनिधित्व करती है और संपत्ति को न रखना परिवारों के साम्यवाद की माँग करता है । जैसा कि बार्कर प्लेटो के लिए लिखता है, "संरक्षकों के बीच पारिवारिक जीवन को समाप्त करना, इस प्रकार, उनके निजी संपत्ति के त्याग करने का आवश्यक उपसिद्धांत है ।"

डनिंग के मतानुसार – "चूंकि निजी सम्पत्ति और पारिवारिक सम्बन्ध प्रत्येक समुदाय में असहमति के प्रमुख स्रोत के रूप में दिखाई देते हैं, अतः दोनों में से किसी को भी आदर्श राज्य में मान्यता नहीं मिल सकती ।"

सेबाइन के मतानुसार – "प्लेटो इतने दृढ़ रूप से सरकार पर संपत्ति के होने वाले अहितकर प्रभावों के प्रति आश्वस्त था कि उसे इस बुराई को दूर करने के लिए संपत्ति को ही समाप्त करने के अतिरिक्त और कोई रास्ता दिखाई नहीं दिया ।"

यही बात प्लेटो के परिवारों की समाप्त करने के उद्देश्य में भी देखी जा सकती है क्योंकि संपत्ति के बाद पारिवारिक बंधन ही वह समर्थ कारण हो सकता था जो शासकों की राज्य के प्रति निष्ठा को डगमगा सकता था ।

सेबाइन ने प्लेटो की ओर से निष्कर्ष निकाला है कि – "अपने बच्चों के लिए दुश्चिंता अपने आप को प्राप्त करने का ही एक तरीका है, जो संपत्ति की इच्छा से भी अधिक विश्वासघाती है ।" प्लेटो के साम्यवाद के सिद्धांत को बहुत संक्षेप में इस प्रकार कहा जा सकता है कि यह दो स्वरूप लेता है ।

रोबाइन का कहना है कि – ”पहला है शासकों और सहायकों के लिए निजी संपत्ति का निषेध करना और दूसरा एक स्थाई एवं एक पत्नीक यौन सम्बन्ध के व्यवहार को समाप्त करके उसके स्थान पर सर्वोत्तम संभव संतान प्राप्ति के लिए शासक के आदेश पर नियंत्रित प्रजनन करना ।”

यह दो प्रकार के साम्यवाद शासकों और सहायकों पर लागू किए गए है जिन्हें प्लेटो संरक्षक (Guardian) कहता है । वह कहता है कि प्लेटो का संपत्ति और परिवारों के साम्यवाद के समर्थन के लिए तर्क यह था कि राज्य की एकता इन दोनों की समाप्ति की माँग करती है ।

”राज्य की एकता सुरक्षित रखने में है, परिवार और संपत्ति उसके मार्ग में बाधक है । इसलिए संपत्ति और विवाह को समाप्त करना होगा ।”

प्रोफेसर जसजी तथा मैक्सी ने प्लेटो और मार्क्स के साम्यकद में समानताएं उजागर करने का प्रयास किया है किंतु दोनों के साम्यवाद में तुलना करना गलत है । प्लेटो के साम्यवाद का एक राजनीतिक उद्देश्य है- एक राजनीतिक बीमारी का एक आर्थिक समाधान ।

जबकि मार्क्स के साम्यवाद का एक आर्थिक उद्देश्य है- एक आर्थिक बीमारी का एक राजनीतिक समाधान । प्लेटो का साम्यवाद केवल दो वर्गों तक ही सीमित है जबकि मार्क्स का साम्यवाद पूरे समाज पर लागू होता है । प्लेटो के साम्यवाद का आधार भौतिक प्रलोभन है और इसकी प्रकृति वैयक्तिक है जबकि मार्क्स का आधार सामाजिक बुराइयों की वृद्धि है, जिसका परिणाम निजी संपत्ति का संग्रहण होता है ।

प्लेटो के अपने पत्नियों और संपत्ति के साम्यवाद की योजना प्रस्तुत करने के कारण थे-राजनीतिक सत्ता का प्रयोग करने वालों के कोई आर्थिक प्रयोजन नहीं होने चाहिए और आर्थिक गतिविधियों में लगे लोगों की राजनीतिक शक्ति में कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए । प्लेटो ने इसे स्पार्टा के सफल प्रयोग से सीखा था ।

प्लेटो के पत्नियों के साम्यवाद के सम्बन्ध में बार्कर उसके तर्कों को प्रस्तुत करते हुए कहता है "प्लेटो की योजना के कई पहलू और कई उद्देश्य थे । यह एक सुजनन की योजना थी । यह महिलाओं के उद्धार की एक योजना थी, यह परिवार के राष्ट्रीयकरण की एक योजना थी । इसका उद्देश्य अच्छे मनुष्य प्राप्त करना, महिलाओं के लिए अधिक स्वतंत्रता और पुरुषों के लिए उनकी उच्चतम क्षमताओं का विकास था जिससे उनमें और विशेष रूप से राज्य के शासकों में राष्ट्र के लिए अधिक समर्पित और जाग्रत निष्ठा रहे ।"

प्लेटो की साम्यवादी योजना की उसके अनुयायियों से लेकर कर्ज पीपर तक कई लोगों द्वारा निंदा की गई है ।

इनमें से कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं:

(i) यह संदेहास्पद है कि परिवारों के साम्यवाद से अर्थात् संरक्षकों के लिए संयुक्त परिवार होने से अधिक एकता आएगी ।

(ii) अरस्तू का कहना है कि पत्नियों का साम्यवाद यदि अव्यवस्था नहीं भी लाएगा तो भी अस्त-व्यस्तता को उत्पन्न करेगा ही क्योंकि एक महिला सभी संरक्षकों की पत्नी होगी और एक ही पुरुष सभी महिलाओं का पति होगा । अरस्तू के ही शब्दों में एक पिता के हजारों बेटे होंगे और एक बेटे के हजारों पिता ।

(iii) साझे बच्चों की देखभाल पर भी पूरा ध्यान नहीं दिया जा सकेगा क्योंकि प्रत्येक का बालक किसी का भी बच्चा नहीं होगा ।

(iv) यह भी संदेहपूर्ण है कि राज्य द्वारा नियंत्रित जोड़े बनाना कभी भी कारगर सिद्ध हो सकेगा । यह स्त्री-पुरुष को पशु के दर्जे तक ले जा सकता है क्योंकि इसमें अस्थाई दाम्पत्य संबंध होंगे ।

(v) साम्यवाद की पूरी योजना ही बहुत कठोर, नियमनिष्ठ और बाध्य करने वाली है ।

(vi) प्लेटो का साम्यवाद का सिद्धांत बहुत ही आदर्शवादी, कपोल-कल्पना आधारित तथा अयथार्थवादी है । इसलिए यह जीवन की वास्तविकताओं से बहुत दूर हैं ।

संदर्भ / ग्रंथ

1. https://www.hindilibraryindia.com/political-thinkers/plato/%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B2%E0%A5%87%E0%A4%9F%E0%A5%8B-%E0%A4%94%E0%A4%B0-%E0%A4%89%E0%A4%A8%E0%A4%95%E0%A5%80-%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%9C%E0%A4%A8%E0%A5%80%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%95-%E0%A4%B5/15253#:~:text=%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%80%E0%A4%95%20%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%9C%E0%A4%A8%E0%A5%80%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%95%20%E0%A4%9A%E0%A4%BF%E0%A4%82%E0%A4%A4%E0%A4%A8%20%E0%A4%95%E0%A5%87%20%E0%A4%87%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B8,%E0%A4%95%E0%A5%87%20%E0%A4%8F%E0%A4%95%20%E0%A4%AE%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%A8%20%E0%A4%AA%E0%A5%81%E0%A4%9C%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A5%80%20%E0%A4%A5%E0%A5%87%20%E0%A5%A4&text=%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B2%E0%A5%87%E0%A4%9F%E0%A5%8B%20%E0%A4%A8%E0%A5%87%20%E0%A4%86%E0%A4%A6%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%B6%20%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%9C%E0%A5%8D%E0%A4%AF%20%E0%A4%95%E0%A4%BE,%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%A5%E0%A4%BE%E0%A4%8F%E0%A4%82%20%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%AF%20%E0%A4%B8%E0%A5%87%20%E0%A4%85%E0%A4%A8%E0%A5%81%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%A3%E0%A4%BF%E0%A4%A4%20%E0%A4%B9%E0%A5%8B%20%E0%A5%A4